

July 18, 2026

Ref: NIVABUPA/EQ/2026-27/23

To,

National Stock Exchange of India Limited

Exchange Plaza, C-1, Block G,
Bandra Kurla Complex,
Bandra (E), Mumbai – 400 051

BSE Limited

Phiroze Jeejeebhoy Tower,
Dalal Street,
Mumbai – 400 001

Symbol: NIVABUPA

Scrip Code: 544286

Sub: Submission of Newspaper Advertisement– Notice of 18th Annual General Meeting (“AGM”) and Information on e-voting

Ref: Regulation 30 read with Schedule III of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (“SEBI Listing Regulations”)

Dear Sir/Madam,

Pursuant to Regulation 30 read Schedule III of the SEBI Listing Regulations, we hereby enclose copies of the Newspaper Advertisement(s) published on July 18, 2026 in Business Standard (English and Hindi edition), regarding completion of dispatch of the 18th AGM Notice and Annual report & information on e-voting.

Kindly take the same on record.

Thanking you,

Yours sincerely,

For **Niva Bupa Health Insurance Company Limited**

Aparna Sharma

Company Secretary and Compliance Officer

Membership No. A24399

Niva Bupa Health Insurance Company Limited

IRDAI Registration No. 145 | CIN: L66000DL2008PLC182918

Registered Office: C-98, First Floor, Lajpat Nagar, Part 1, Delhi-110024.

Corporate Office: 3rd Floor, Capital Cyber scape, Golf Course Extension Road, Sector-59, Gurugram-122101, Haryana.

Website: www.nivabupa.com | Email id: investor@nivabupa.com | Tel: +91-124-6354900

2026 may be best year for Indian movie business

Niva Bupa Health Insurance Company Limited (formerly known as Max Bupa Health Insurance Company Limited) (IRDAI Registration No. 145). 'Bupa' and 'HEARTBEAT' logo are registered trademarks of their respective owners and are being used by Niva Bupa Health Insurance Company Limited under license. Registered Office Address: C-98, First Floor, Lajpat Nagar, Part I, New Delhi-110024, Customer Helpline No.: 1860-500-8888. Fax: +91 11 4743397. Website: www.nivabupa.com. CIN: L66000DL2008PLC182918. For more details on risk factors, terms and conditions, please read sales brochure carefully before concluding the sale.

बड़े शेयर बढ़े तो सूचकांक भी चढ़े

सुंदर सेतुरामन मुंबई, 17 जुलाई

भारतीय शेयर सूचकांकों में शुक्रवार को तेजी आई और इनमें करीब एक महीने की सबसे बड़ी उछाल दर्ज की गई। बाजार बंद होने के बाद आने वाले नतीजों से पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में उछाल आई। एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी तेजी रही। शुक्रवार को सेंसेक्स 965 अंक यानी 1.3 फीसदी की बढ़त के साथ 78,152 पर बंद हुआ। निफ्टी 262 अंक यानी 1.09 फीसदी बढ़कर 24,334 पर पहुंचा। दोनों इंडेक्स के लिए, शुक्रवार की यह बढ़त 12 जून, 2026 के बाद से सबसे बड़ी बढ़त है।

पिछले हफ्ते आई गिरावट के बाद शुक्रवार की इस तेजी की वजह से बेंचमार्क सूचकांक हफ्ते के आखिर में बढ़त के साथ बंद हुए। इस हफ्ते सेंसेक्स में 0.8 फीसदी और निफ्टी में 0.5 फीसदी का इजाफा हुआ। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 37,000 करोड़ रुपये बढ़कर 480.9 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस हफ्ते कुल बाजार पूंजीकरण में 83,000 करोड़ रुपये की गिरावट आई।

शुक्रवार को सेंसेक्स में ज्यादा बढ़त रिलायंस इंडस्ट्रीज (2.6 फीसदी) और एचडीएफसी बैंक

(1.4 फीसदी) की वजह से हुई।

इंडेक्स में बढ़त उसमें शामिल कंपनियों के शेयरों की कीमतों में वृद्धि और हर कंपनी के भारांक पर निर्भर करती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रवर्तक समूह ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 48 आधार अंक बढ़ाई।

शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज पर जारी कंपनी के शेयरधारिता आंकड़ों के मुताबिक, जून के आखिर में प्रवर्तक समूह की हिस्सेदारी बढ़कर 50.48 फीसदी

नियामक ने डिपॉजिटरीज को निर्देश दिया है कि वे 31 अक्टूबर, 2026 तक मिलकर परिचालन व्यवस्था जारी करें और सिस्टम में जरूरी बदलाव करें।

यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है, जब ऑनलाइन म्युचुअल फंड वितरक तेजी से निवेशकों को स्टेटमेंट से 'डीमैट होल्डिंग की ओर ले जा रहे हैं'। देश के सबसे बड़े म्युचुअल फंड वितरक ग्री ने पिछले साल इस बदलाव की घोषणा की थी। डीमैट होल्डिंग की ओर बढ़ते रुझान के कारण निवेशक ऑटोमेटेड एसडब्ल्यूपी और एसटीपी सुविधाओं का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे। एसडब्ल्यूपी में निवेशकों को नियमित अंतराल पर एक निश्चित राशि या यूनिटों की एक तय संख्या निकालने की सुविधा होती है। निवेशक इसका इस्तेमाल अपने निवेश से नियमित नकदी पाने के लिए करते हैं। एसटीपी पैसे को एक म्युचुअल फंड स्कीम से दूसरी स्कीम में व्यवस्थित रूप से ट्रांसफर करने में मदद मिलती है, आमतौर पर डेट से इक्विटी में।

सेबी ने सबसे पहले 5 फरवरी, 2026 को जारी एक परामर्श पत्र में इसका प्रस्ताव रखा था। एसटीपी तक बढ़ाई जाएगी।

जिन निवेशकों के डीमैट खातों में म्युचुअल फंड यूनिट हैं, वे जल्द ही सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) और सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगे। बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को डीमैट खाते में रखी म्युचुअल फंड यूनिटों के लिए भी इन दो सिस्टमैटिक ट्रांजेक्शन विकल्प देने की घोषणा की। ये सुविधाएं अभी तक केवल स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट (एसओए) के रूप में रखी गई यूनिटों को ही मिलती थीं।

नियामक ने कहा कि यह सुविधा दो चरणों में लागू की जाएगी। पहला चरण 31 जनवरी, 2027 तक शुरू किया जाएगा। इसमें निवेशक यूनिट आधारित एसडब्ल्यूपी और एसटीपी मैडेट के लिए पंजीकरण कर सकेंगे। इसमें तय अवधि के हिसाब से पर यूनिटों की एक निश्चित संख्या को रिडीम या ट्रांसफर किया जाता है। दूसरा चरण अगले साल 30 अप्रैल तक लागू किया जाएगा, जिसमें यह सुविधा रकम आधारित एसडब्ल्यूपी और एसटीपी तक बढ़ाई जाएगी।

नॉमिनी के लिए ट्रांसमिशन प्रक्रिया आसान की एम्फी ने एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) ने निवेशक की मौत के बाद म्युचुअल फंड यूनिटों को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया को और आसान बनाया है। इसके लिए नॉमिनी और कानूनी वारिसों के लिए दस्तावेज से जुड़ी दिक्कतों को कम करने वाले उपाय किए गए हैं। नई मानक प्रक्रिया (एसओपी) के तहत अगर रिकॉर्ड में दिया गया पता मेल नहीं खाता है तो परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) संबंधित डॉक्यूमेंट्स के साथ मृतक यूनिटधारक के नवीनतम उपलब्ध पते का इस्तेमाल कर सकती हैं। एम्फी ने कहा है कि वह अपडेटेड प्रक्रियाओं को समान तरीके से लागू करने के लिए एएमसी के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित करेगी।

बीएस

बाजारों में उछाल

■ सेंसेक्स 965 अंक की बढ़त के साथ 78,152 पर बंद हुआ। निफ्टी 262 अंक बढ़कर 24,334 पर पहुंचा

■ दोनों इंडेक्स के लिए शुक्रवार की यह बढ़त 12 जून, 2026 के बाद से सबसे बड़ी बढ़त है

■ बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 37,000 करोड़ रुपये बढ़कर 480.9 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया

■ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 376.4 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की जबकि घरेलू संस्थानों ने 1,018 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की

ब्याज दरों में और तेजी से बढ़ोतरी की आशंका कम हुई और ज्यादा जोखिम वाली परिसंपत्तियों की मांग को बढ़ावा मिला। यह भारतीय तकनीकी कंपनियों के लिए खास तौर पर अच्छा रहा क्योंकि वे विदेशी क्लाइंटों के खर्च पर काफी ज्यादा निर्भर करती हैं। ब्रेंट क्रूड 1.14 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 85.5 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, उतार-

व्याज दरों में और तेजी से बढ़ोतरी की आशंका कम हुई और ज्यादा जोखिम वाली परिसंपत्तियों की मांग को बढ़ावा मिला। यह भारतीय तकनीकी कंपनियों के लिए खास तौर पर अच्छा रहा क्योंकि वे विदेशी क्लाइंटों के खर्च पर काफी ज्यादा निर्भर करती हैं। ब्रेंट क्रूड 1.14 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 85.5 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, उतार-

सेबी ने ‘बॉस स्कैम’ को लेकर चेताया कंपनियों को मुख्य कार्याधिकारी बनकर धोखाधड़ी करने वालों से सावधान रहने को कहा

खुशबू तिवारी

मुंबई, 17 जुलाई

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को नियमन संस्थाओं और सूचीबद्ध कंपनियों को ‘बॉस स्कैम’ नाम के बढ़ते साइबर फ्रॉड को लेकर आगाह किया। इस फ्रॉड में धोखेबाज शीर्ष अधिकारी बनकर पैसे उड़ा लेते हैं।

बाजार नियामक ने कहा है कि उसे इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर से एक ऐसे उभरते ट्रेंड के बारे में जानकारी मिली है, जिसमें डिजिटल कम्युनिकेशन टूल्स का इस्तेमाल करके सीईओ या एमडी बनकर धोखाधड़ी की जा रही है।

आम तौर पर, धोखाधड़ी करने वाले ईमेल, व्हाट्सऐप, माइक्रोसॉफ्ट टीमस या दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के जरिये सीनियर एजीक्यूटिव बनकर फाइनैस या अकाउंट्स स्टाफ को तुरंत फंड ट्रांसफर करने का निर्देश देते हैं। ये मैसेज अक्सर ऐसे बनाए जाते हैं कि वे गोपनीय लगें और संवेदनशील या अप्रकाशित



जानकारी का हवाला देकर वेरिफिकेशन करने से रोक सकें।

सेबी को पता चला है कि अपराधी कंपनी के प्रमुखों का रूप धरने के लिए डीपफेक वॉयस क्लोनिंग और एआई से बने वीडियो काल जैसी एडवांस्ड तकनीकों का इस्तेमाल तेजी से कर रहे हैं। कुछ मामलों में वे अपनी बातों को भरोसेमंद बनाने के लिए नकली सोशल मीडिया ग्रुप भी बनाते हैं।

एक अन्य तरीका है मेलवेयर वाली फाइलें भेजना। एक बार खोलने पर ये फाइलें सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकती हैं, व्हाट्सऐप वेब सेशन को हार्डजैक कर सकती हैं और धोखेबाजों को वैध खातों से भुगतान निर्देश भेजने में सक्षम बना सकती हैं।

चढ़ाव भरे हफ्ते के बावजूद भारतीय शेयर बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। निवेशकों ने लार्ज-कैप शेयरों में निवेश को प्राथमिकता दी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गईं। रुपये पर दबाव पड़ा। फिर भी वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के अच्छे कारोबारी अपडेट और आने वाले समय में अच्छी कमाई की उम्मीदों के कारण बाजार का मूड बढ़िया बना रहा।

बाजार में चढ़ने और गिरने वाले शेयरों का अनुपात कमजोर रहा और 2,588 शेयर गिरे जबकि 1,635 में बढ़ोतरी दर्ज हुई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 376.4 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की जबकि घरेलू संस्थानों ने 1,018 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की।

एसबीआई सिक्योरिटीज में टेक्निकल और डेरिवेटिव रिसर्च के प्रमुख सुदीप शाह ने कहा, निफ्टी के लिए आगे प्रतिरोध का तात्कालिक स्तर 24,500-24,550 के जोन में है, जो पिछले स्विंग हाई के बराबर है। अगर निफ्टी इस जोन के ऊपर रहता है तो यह 24,700 और उसके बाद कुछ समय में 24,850 तक जा सकता है। नीचे की तरफ, निफ्टी के लिए समर्थन का तात्कालिक स्तर 24,200-24,150 के जोन में है।

सवाल जवाब

अगली दो तिमाही बाजार के लिए होंगी मुश्किल

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव फिर से उभरने से बाजार में घबराहट है। ऐक्विस म्युअल फंड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी बी. गोपकुमार ने नई दिल्ली में पुनीत वाधवा को दिए साक्षात्कार में कहा कि बाजार के इस माहौल में अच्छा रिटर्न (अल्फा) पाने के लिए व्यापक बाजार की तेजी पर निर्भर रहने के बजाय सोच-समझकर शेयर चुनने और अनुशासित पोर्टफोलियो प्रबंधन की जरूरत होगी।

बातचीत के मुख्य अंश:



क्या आने वाले कुछ महीनों में बाजार में मंदड़ियों का दबदबा रहेगा ?

बाजार को लगने लगा था कि भूराजनीतिक तनाव, खासकर पश्चिम एशिया में, कम हो रहा है। दुर्भाग्य से, वे चिंताएं फिर से उभर आई हैं, जिससे अनिश्चितता लौट आई है। घरेलू स्तर पर देखें तो भारत के आर्थिक फंडामेंटल काफी अच्छे हैं। निवेशकों ने मौजूदा आर्थिक माहौल को काफी हद तक स्वीकार कर लिया है। इसलिए भारत के भीतर बहुत ज्यादा अनिश्चितताएं नहीं हैं। बाजार को अनिश्चितता पसंद नहीं है और इस समय सबसे बड़ी अनिश्चितता यह है कि पश्चिम एशिया में हालात कैसे रहते हैं। दुनिया भर में हो रहे बदलावों की रफ्तार बहुत तेज रही है। मेरा मानना ​​है कि आने वाली दो तिमाहियां वैश्विक नजरिये से बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं।

जून 2026 की तिमाही से कंपनियों के मुनाफे में सुधार की उम्मीद थी। पश्चिम एशिया में फिर से बढ़ते तनाव और कम मॉनसून की चिंता को देखते हुए क्या यह सुधार टल सकता है ? क्या बाज़ार पहले से ही इन जोखिमों को ध्यान में रख रहे हैं ? अर्थव्यवस्था के कुछ हिस्से अभी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। क्रेडिट ग्रोथ अच्छी बनी हुई है, जिससे पता चलता है कि बैंकिंग शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन क्यों किया है और कई फंड मैनेजरों का इस सेक्टर में ज्यादा निवेश क्यों है। मॉनसून के मामले में पिछले कुछ हफ्तों में मेरी राय थोड़ी बदली है। पहले, मैं इसे एक बड़ी चिंता मानता था। आज, अगर बारिश सामान्य से 10 फीसदी कम भी होती है तो मुझे नहीं लगता कि इससे अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होगी। ऐसा लगता है कि बाजार ने इसे पहले ही मान लिया है। अब बड़ी चिंता कच्चे तेल की है। तेल की कीमतें फिर से बढ़ गई हैं और इससे रुपया-डॉलर का समीकरण बिगड़ गया है।

निवा बुपा हेल्थ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या: १४५। कॉर्पोरेट पहचान संख्या (CIN): L66000DL2008PLC182918
पंजीकृत कार्यालय: सी-९८, प्रथम तल, लाजपत नगर, भाग-१, नई दिल्ली-११००१४ दूरभाष: +९१ ११ ४१७४३३९७
वेबसाइट: www.nivabupa.com | ईमेल: investor@nivabupa.com

अठारहवीं (18वीं) वार्षिक आम बैठक ("AGM") की सूचना और ई-वोटिंग की जानकारी

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि निवा बुपा हेल्थ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ("कंपनी") की 18वीं वार्षिक आम बैठक एजीएम (AGM) बुधवार, 12 अगस्त, 2026 को दोपहर 03:00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ("VC") / अथ वृथ-श्रव्य माध्यमों ("OAVM") के जरिए आयोजित की जा रही है, यह बैठक निम्नलिखित अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) द्वारा जारी सामान्य परिपत्र संख्या 20/2020 दिनांक 05 मई 2020 तथा समय-समय पर जारी उसके पश्चात्तर्ती परिपत्रों — जिसमें नवीनतम सामान्य परिपत्र संख्या 03/2025 दिनांक 22 सितंबर 2025 सम्मिलित है — एवं अन्य सभी लागू कानूनों के अनुपालन में आयोजित की जाएगी, ताकि एजीएम की सूचना ('सूचना') में निर्धारित किए जाने वाले कार्य-व्यवसाय संपन्न किए जा सकें।

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट ("वार्षिक रिपोर्ट") के साथ सूचना केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से शुक्रवार, जुलाई 17, 2026 को उन सदस्यों को भेजी है, जिनके ईमेल आईडी कट-ऑफ तिथि यानी शुक्रवार, 10 जुलाई, 2026 तक कंपनी / इश्यू रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट ("RTA") या डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स ("DPs") के पास पंजीकृत है। के पास पंजीकृत कंपनी की वेबसाइट www.nivabupa.com, स्टॉक एक्सचेंज (अर्थात बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) की वेबसाइटों क्रमशः www.bseindia.com और www.nseindia.com, तथा एनएसडीएल की वेबसाइट www.evoting.nsdl.com पर भी उपलब्ध हैं।

इसके अतिरिक्त, उन सदस्यों की जिन्होंने कंपनी / आरटीए या डीपी के पास अपना ईमेल पता पंजीकृत/अपडेट नहीं किया है, सूचना और वार्षिक रिपोर्ट देखने के लिए सटीक पाथ (path), वेबलिंक और क्यूआर (QR) कोड प्रदान करने वाला एक पत्र शुक्रवार, जुलाई 17, 2026 को प्रेषित किया गया था। जिन सदस्यों के ईमेल पते पंजीकृत/अपडेट नहीं हैं, वे उन्हें उन डीपी (DPs) के पास अपडेट/पंजीकृत करा सकते हैं जहाँ वे अपने डीमैट खाते रखते हैं।

बुधवार, 05 अगस्त, 2026 ("कट-ऑफ तिथि") पर शेयर रखने वाले सदस्य, सूचना में दी गई रिमोट ई-वोटिंग / एजीएम में ई-वोटिंग सेवा प्रदाता द्वारा रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल को निष्क्रिय (disable) कर दिया जाएगा। सदस्यों को मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 को शाम 05:00 बजे (भारतीय समयानुसार) के बाद इलेक्ट्रॉनिक रूप से वोट डालने की अनुमति नहीं होगी। जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट डाल दिया है, वे वीसी/ओवीएम (VC/OAVM) के माध्यम से एजीएम में भाग ले सकते हैं/शामिल हो सकते हैं, लेकिन वे दोबारा वोट डालने के हकदार नहीं होंगे। किसी प्रस्ताव पर सदस्य द्वारा एक बार वोट डाल दिए जाने के बाद, सदस्य को बाद में अपने वोट में संशोधन करने या उसे बदलने की अनुमति नहीं होगी।

कोई भी व्यक्ति जो सूचना भेजे जाने के बाद शेयर प्राप्त करता है और कंपनी का सदस्य बनता है और कट-ऑफ तिथि पर शेयर रखता है, वह रिमोट ई-वोटिंग या एजीएम में ई-वोटिंग के लिए सूचना में दी गई प्रक्रिया का पालन कर सकता है। सदस्य इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदान करने में किसी भी सहायता के लिए एनएसडीएल (NSDL) से संपर्क कर सकते हैं।

रिमोट ई-वोटिंग की अवधि रविवार, 09 अगस्त, 2026 को सुबह 09:00 बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू होगी और मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 को शाम 05:00 बजे (भारतीय समयानुसार) समाप्त होगी। उपरोक्त अवधि की समाप्ति पर ई-वोटिंग सेवा प्रदाता द्वारा रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल को निष्क्रिय (disable) कर दिया जाएगा। सदस्यों को मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 को शाम 05:00 बजे (भारतीय समयानुसार) के बाद इलेक्ट्रॉनिक रूप से वोट डालने की अनुमति नहीं होगी। जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट डाल दिया है, वे वीसी/ओवीएम (VC/OAVM) के माध्यम से एजीएम में भाग ले सकते हैं/शामिल हो सकते हैं, लेकिन वे दोबारा वोट डालने के हकदार नहीं होंगे। किसी प्रस्ताव पर सदस्य द्वारा एक बार वोट डाल दिए जाने के बाद, सदस्य को बाद में अपने वोट में संशोधन करने या उसे बदलने की अनुमति नहीं होगी।

ई-वोटिंग और एजीएम में शामिल होने के संबंध में किसी भी पूछताछ/शिकायत के मामले में, कृपया ई-वोटिंग सेवा प्रदाता की वेबसाइट <https://www.evoting.nsdl.com> पर 'डाउनलोड' सेक्शन में उपलब्ध 'सहायता और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (Help & FAQ's) सेक्शन' / ई-वोटिंग यूजर मैनुअल' देखें या किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सुश्री पल्लवी म्हात्रे, उपाध्यक्ष - एनएसडीएल, 301, तीसरी मंजिल, नमन चैंबर, प्लॉट सी-32, जी-ब्लॉक, बांद्रा कुर्ली कॉम्प्लेक्स, बांद्रा ईस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400 051, ईमेल आईडी: evoting@nsdl.com, संपर्क नंबर: 022-4886-7000 पर संपर्क करें।

यदि सदस्यों के पास कोई प्रश्न है, तो वे कंपनी को investor@nivabupa.com पर भी लिख सकते हैं।	
सदस्यों से अनुरोध है कि वे सूचना में दिए गए सभी नोटों को ध्यान से पढ़ें, विशेष रूप से एजीएम में शामिल होने के निर्देश, रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से या एजीएम में ई-वोटिंग के माध्यम से वोट डालने के तरीके को।	
निवा बुपा हेल्थ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की ओर से	हस्ताक्षरित
गुरुराम दिनांक: 17.07.2026	अर्पणा शर्मा
	कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी

*क्या एक अनुशासक नियम है? निवा बुपा हेल्थ इश्योरेंस लिमिटेड (आईआरडीआई पंजीकरण संख्या १४५)। Bupa और HEARTBEAT' संगे उनके संबंधित सामग्री को पंजीकृत ट्रेडमार्क है और इसे निवा बुपा हेल्थ इश्योरेंस द्वारा वास्तविक के उपयोग के लिए उपयोग किया जा रहा है। आईआरडीआई पंजीकरण संख्या १४५। पंजीकृत कार्यालय: सी-९८, प्रथम तल, लाजपत नगर, भाग-१, नई दिल्ली-११००१४। कॉर्पोरेट कार्यालय: तुलसी तल, कैपिटल गार्डनस, गोकर्ण कोर्स एक्स्प्रेसवे रोड, सेक्टर-५९, गुरुग्राम -११२००१ (हरियाणा)। कॉर्पोरेट पहचान संख्या (CIN): L66000DL2008PLC182918। ग्राहक हेल्पलाइन नंबर: १८६०-५००-८८८८। वेबसाइट: www.nivabupa.com